

न्यायालय अतिरिक्त कलक्टर (प्रशासन), चित्तौड़गढ़ (राज.)**पीठासीन अधिकारी - प्रभा गौतम (आर.ए.एस.)**

| | | |
|--|---------------------------|-----------------------------|
| प्रकरण संख्या 096/2025(रा.अ.) (GCMS 2025/96) | दायर दिनांक 23.09.2025 | निर्णय दिनांक 15.01.2026 |
|--|---------------------------|-----------------------------|

अनवान

- 1 कंकु पुत्री गटुबाई पिता भैरूलाल जाति गाडरी उम्र 25 साल निवासी उपरेडा तहसील राशमी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)।
- 2 काली पुत्री गटुबाई पिता भैरूलाल जाति गाडरी उम्र 21 साल निवासी उपरेडा तहसील राशमी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)।
- 3 भगुदेवी पुत्री गटुबाई पिता भैरूलाल जाति गाडरी उम्र 20 साल निवासी उपरेडा तहसील राशमी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)।
- 4 मंजूदेवी पुत्री गटुबाई पिता भैरूलाल जाति गाडरी उम्र 25 साल निवासी उपरेडा तहसील राशमी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)।
- 5 रतन पुत्र गटुबाई पिता भैरूलाल जाति गाडरी उम्र 25 साल निवासी उपरेडा तहसील राशमी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)।

अपीलार्थीगण**बनाम**

- 1 पटवार हल्का कपासन-ए जरिये पटवारी, पटवार हल्का कपासन-ए तहसील कपासन जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)।
- 2 राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार कपासन तहसील कपासन जिला चित्तौड़गढ़।

प्रत्यर्थीगण

उपस्थिति :- अम्बालाल औड
भैरूलाल सालवी (राजकीय अधिवक्ता)

अपीलार्थीगण
प्रत्यर्थीगण

अपील इन्तकाल अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 एक्ट बनाराजगी इंतकाल मौजा कपासन पटवार हल्का कपासन-ए तहसील कपासन इन्तकाल नंबर 4079 दिनांक 18.02.2022

-:: निर्णय ::-

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि अपीलार्थी ने विरुद्ध प्रत्यर्थीगण के अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया गया कि ग्राम कपासन पटवार हल्का कपासन-ए तहसील कपासन के



इन्तकाल नंबर 4079 दिनांक 18.02.2022 निर्णित किया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलार्थीगण को बिना सुने, बिना सुनवाई का समुचित अवसर दिये एक तरफा नामान्तरकरण दायर किया जाकर निर्णय पारित किया गया, जो निरस्त योग्य है।

इस पर अपील अपीलार्थी को दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रत्यर्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रत्यर्थीगण की और से राजकीय अधिवक्ता हाजिर आये। प्रकरण में तहसीलदार कपासन द्वारा पत्रांक/भू-अभि/2025/1360 दिनांक 17.12.2025 से निर्णित नामान्तरकरण के संबंध में दस्तावेज प्रेषित किये जो कि शामिल पत्रावली पर है। प्रकरण में बहस पत्रावली सुनी गई।

सर्वप्रथम विद्वान अधिवक्ता अपीलार्थी ने मियाद प्रार्थना-पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराया एवं बताया कि निर्णय दिनांक 18.02.2022 को होना बताया गया है जिसकी अपीलार्थी को कोई जानकारी नहीं थी। अपीलार्थी को दिनांक 10.09.2025 को पटवारी हल्का द्वारा बताने पर हुई जिस पर अपीलार्थी ने नकल आवेदन प्रस्तुत कर नामान्तरकरण आदेश की नकल प्राप्त की एवं वैधानिक सलाह लेकर यह अपील प्रस्तुत की जो 30 दिन की अवधि में है। इस कारण न्यायालय में अपील प्रस्तुत है और अपील पेश करने में हुई देरी नामान्तरकरण आदेश की दिनांक से अपील पेश करने तक की अवधि को जानकारी के अभाव में क्षम्य फरमाया जावे। इसी आशय का अपीलार्थी द्वारा सच्चा शपथ-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस पर विद्वान राजकीय अधिवक्ता प्रत्यर्थी ने प्रार्थना-पत्र बाबत मियाद अधिनियम का पुरजोर विरोध कर अपील अपीलार्थी को मियाद के बिन्दु पर ही खारीज किये जाने की ईशतदुआ की।

हमने पत्रावली को अवलोकन किया। मियाद प्रार्थना-पत्र के समर्थन में प्रस्तुत शपथ-पत्र का अवलोकन किया। उभयपक्ष द्वारा की गई बहस मियाद प्रार्थना-पत्र का चिंतन-मनन किया। विभिन्न उच्च न्यायालयों प्रतिपादित किया गया है कि मियाद के बिन्दु को उदारता पूर्वक देखा जाकर प्रकरण का निस्तारण तकनीकी आधार पर नहीं किया जाकर गुणावगुण पर किया जाना चाहिये, ऐसी स्थिति में अपील अपीलार्थी प्रस्तुती में हुये समस्त विलम्ब को क्षम्य किया जाना उचित प्रतीत होता है, तदनुसार अपीलार्थी की और से प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र धारा 5 मियाद अधिनियम को स्वीकार कर अपील प्रस्तुत करने में हुए विलम्ब को क्षमा किया जाता है।

इस पर विद्वान अधिवक्ता अपीलार्थी ने अपील मेमों में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए बताया किया कि योग्य अपीलार्थीगण का पारिवारिक सजरा मुताबिक अपील मेमों है। हाल जमबांदी के खाता संख्या 546 होकर आराजी संख्या 1052, 1053, 1054, 1055, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069 कुल कित्ता 18 रकबा क्षेत्रफल 2.69 हैक्टेयर स्थित है, उक्त आराजीयात का तहसीलदार कपासन के द्वारा नामान्तरकरण संख्या 4079 दिनांक 18.02.2022 को खोला गया जिसमें अपीलार्थीगण की माता का



नाम राजस्व कर्मचारियों की त्रुटि से सहवन से गटुबाई के स्थान पर उदी बाई अंकित हो गया है जबकि उदीबाई हम अपीलार्थीगण की नानी होकर गटुबाई की माता जी थी। जिसे शुद्ध कराया जाकर गटुबाई कराया जाना न्यायहित में आवश्यक है, अन्त में प्रार्थना की गई कि अपील अपीलार्थीगण स्वीकार फरमाई जाकर अपीलाधीन नामान्तरकरण संख्या 4079 दिनांक 18.02.2022 मौजा कपासन पटवार हल्का कपासन-ए तहसील कपासन में अपीलार्थीगण की माता का नाम उदीबाई के स्थान पर गटुबाई किये जाने का आदेश प्रदान करावें। इसी ईशतदुआ के साथ विद्वान अधिवक्ता अपीलार्थीगण ने अपनी बहस समाप्त की।

इस पर राजकीय अधिवक्ता द्वारा अपनी बहस पत्रावली में निवेदन किया गया कि अपीलाधीन नामान्तरकरण आदेश दिनांक 18.02.2022 मृतक खातेदार के मृत्यु होने पर प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र के आधार पर विधिक प्रावधानों के अधीन दायर किया जाकर निर्णय पारित किया गया है एवं प्रकरण का गुणावगुण पर निर्णय किये जाने हेतु अनुरोध किया। इसी ईशतदुआ के साथ विद्वान राजकीय अधिवक्ता ने अपनी बहस समाप्त की। हमने पत्रावली का आद्यौपांत अवलोकन किया। उभयपक्षकारान द्वारा की गई बहस पत्रावली का चिंतन-मनन किया। पत्रावली को वास्ते निर्णय रिजर्व किया गया।

पत्रावली वास्ते निर्णय प्रस्तुत हुई। हमने पत्रावलियों का आद्यौपांत अवलोकन किया। पत्रावलियों पर उपलब्ध साक्ष्य दस्तावेज का अवलोकन/परिशीलन किया। उभयपक्ष द्वारा की गई बहस पत्रावली का चिंतन-मनन किया।

हस्तगत अपील के संबंध में निर्णय के बिन्दु पर विचार करने में न्यायालय के समक्ष निर्णय का बिन्दु यह उभर कर आता है कि - “अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार कपासन द्वारा विवादित नामान्तरकरण संख्या 4079 मौजा कपासन पटवार हल्का कपासन-ए निर्णय दिनांक 18.02.2022 विधि अनुसार निर्णित किया गया है या नहीं, अगर नहीं तो निर्णय क्या होगा?”

नामान्तरकरण को दर्ज करने एवं उसकी जांच व सक्षम अधिकारी द्वारा उसे निर्णित करने के संबंध में राजस्थान भू राजस्व (भू-अभिलेख) नियम, 1957 के नियम 121 के प्रावधान लागू होते हैं, जो कि इस प्रकार है-

(iv) The Revenue Officer (The Tehsildar, the Naib-Tehsildar or an Assistant Collector) or the village Panchayats to which the powers under Section 135 of the Rajasthan and Revenue Act, 1956 have been delegated, as the case may be should carefully compare the entries in the counterfoil, and foil and must write his order on the latter. He should see that entries in the mutation sheet at his orders thereon are neatly and legibly written. The order should show the parties interested, whether all were present or any one was absent, the way in which his evidence was obtained or it was not obtained, what opportunity was given to him to present, who identified the parties present and the place at which and the date on which it was written. In mutations of alienation of land the caste and sub-caste of the party should be named in the order. No detailed record of the statements of parties and witnesses need be made but the order must state briefly the persons examined by the Revenue Officer, the facts which they deposed and the grounds of the order. Except where the mutation order relates to an entire holding and in case of undisputed inheritance, the Revenue Officer must enter in his own hand the number of the fields affected and their total area.



131. The scope of Mutations.-

- (i) The status of an estate-holder or a tenant cannot be altered except:—
- by agreement of all the parties interested: or
 - in consequence of a decree or order which is binding upon them, or
 - in accordance with facts proved or admitted to have occurred under the relevant provisions of the Rajasthan Land Revenue Act, 1956.
- (ii) In cases of inheritance a summary inquiry into the title is necessary. Where it is claimed that property devolves by reason of will, this should be treated as a case of succession by inheritance and the inquiry will include an enquiry into the validity of the will.

उक्त नियम 121(4) में अंकित हिदायतों की पालना करते हुए नामान्तरकरण निर्णित करने हेतु सक्षम अधिकारी को नामान्तरकरण से संबंध में पूर्ण जांच उपरांत नामान्तरकरण तस्दीक करना होता है। हस्तगत नामान्तरकरण के संबंध में प्रार्थी मगनीराम पिता बोटु द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र दिनांक 27.12.2021 के अनुसरण में कार्यवाही की गई। प्रार्थी द्वारा अपने प्रार्थना-पत्र के साथ प्रस्तुत शपथ-पत्र में मृतक खातेदार के विधिक वारिसान के रूप में स्वयं को पुत्र एवं गटुबाई पुत्री होना अंकित किया गया है। इस संबंध में तहसीलदार कपासन द्वारा अपने पत्र क्रमांक/भू0अ0/21/1922 दिनांक 30.12.2021 से तहसीलदार राशमी को मृतक गटुबाई पुत्री बोटलाल पत्नी भैरूलाल पूर्बिया (गाडरी) निवासी उपरेडा के वारिसान की जांच हेतु लिखा गया। इस पर तहसीलदार राशमी द्वारा अपने पत्रांक/एल आर/22/23 दिनांक 06.01.2022 को उक्त पत्र हल्का पटवारी उपरेडा को जांच रिपोर्ट हेतु प्रेषित किया। इस पर हल्का पटवारी उपरेडा द्वारा पर्चा मौका दिनांक 06.01.2022 से मृतक गटुबाई पुत्री बोटलाल पत्नी भैरूलाल पूर्बिया(गाडरी) के विधिक वारिसान की जांच कर तहसीलदार राशमी को प्रस्तुत किया। इस पर उक्त जांच रिपोर्ट मय दस्तावेज के तहसीलदार राशमी द्वारा अपने पत्रांक/एल आर/2022/158 दिनांक 07.02.2022 से मूल ही तहसीलदार कपासन को प्रेषित किये, जो कि तहसीलदार कपासन द्वारा अपने पत्रांक /भू-अभि/336 दिनांक 17.02.2022 से हल्का पटवारी कपासन-ए को भिजवाये गये, एवं हल्का पटवारी कपासन-ए द्वारा जांच रिपोर्ट पटवारी पटवार हल्का उपरेडा तहसील राशमी एवं प्रार्थी मगनीराम द्वारा प्रस्तुत सजरा अनुसार नामान्तरकरण दायर कर पेश किया गया है। जिस पर भू-अभिलेख निरीक्षक द्वारा जांच की गई। इसके पश्चात् 18.02.2022 को तहसीलदार कपासन द्वारा पटवारी हल्का एवं भू-अभिलेख निरीक्षक की जांच रिपोर्ट अनुसार नामान्तरकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। प्रकरण में मृतक खातेदार उदीबाई पत्नी बोटु का विरासतन नामान्तरकरण दायर किया गया है, जिसमें मृतक खातेदार की पुत्री गटुबाई भी फौत जो जाने से गटुबाई के विधिक वारिसान के नाम पर नामान्तरकरण दायर किया गया, किन्तु हल्का पटवारी कपासन-ए द्वारा वक्त नामान्तरकरण दायर मृतक गटुबाई पुत्री बोटलाल पत्नी भैरूलाल के विधिक वारिसान जो कि प्रकरण में अपीलार्थीगण है के नाम में गटुबाई के स्थान पर उदीबाई अंकित करना प्रतिवेदित होता है जो कि मृतक गटुबाई पुत्री बोटलाल की माता है, एवं उसी अनुसार अधीनस्थ तहसीलदार द्वारा नामान्तरकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। मृतक खातेदार की जांच किये जाने के पश्चात् मृतक खातेदार के विधिक वारिसान के नाम पर नामान्तरकरण



दायर किया जाना विधि द्वारा प्रावधित है, किन्तु हल्का पटवारी कपासन-ए द्वारा मृतक खातेदार के विधिक वारिसान के सही-सही नाम पर नामान्तरकरण दर्ज नहीं किया जाना प्रतिवेदित होता है, ऐसी स्थिति में न्यायालय के समक्ष यह तथ्य जाहिर होता है कि अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार कपासन द्वारा अपीलाधीन नामान्तरकरण निर्णित करते समय विधि के उपाबंधों की पालना नहीं किया जाना प्रतिवेदित होता है, अपीलाधीन नामान्तरकरण विरासतन नामान्तरकरण की श्रेणी का होकर उक्त नामान्तरकरण में खातेदार के फौत होने का विषय महत्वपूर्ण है एवं खातेदार के फौत हो जाने से मृतक खातेदार के सही-सही विधिक वारिसान के नाम पर नामान्तरकरण दायर किया जाना विधि द्वारा प्रावधित है, अपीलार्थीगण मृतक खातेदार उदीबाई पत्नी बोटु की मृतक पुत्री गडुबाई पुत्री बोटुलाल पत्नी भैरूलाल के विधिक वारिसान है, जिससे न्यायालय के समक्ष यह तथ्य प्रकट होता है कि अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार कपासन उक्त विवादित नामान्तरकरण संख्या 4079 निर्णय दिनांक 18.02.2022 का निर्णित किये जाने के संबंध में त्रुटि कारित गई है, ऐसी स्थिति में हस्तगत प्रकरण में निर्णय के बिन्दु पर विचार किये जाने पर यह तथ्य न्यायालय के समक्ष प्रकट होता है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा नामान्तरकरण संख्या 4079 निर्णय दिनांक 18.02.2022 के निर्णय में अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार कपासन द्वारा त्रुटि कारित जाना परिलक्षित होता है, ऐसी स्थिति में अपीलाधीन मौजा कपासन पटवार हल्का कपासन-ए तहसील कपासन का नामान्तरकरण 4079 दिनांक 18.02.2022 को निरस्त किया जाकर मृतक खातेदार उदीबाई पत्नी बोटु के विधिक वारिसानों के सही-सही नाम पर दर्ज किये जाने हेतु नामान्तरकरण तहसीलदार कपासन को प्रतिप्रेषित (Rimand) किया जाना न्यायोचित है।

अतः उपर्युक्त विवेचन एवं विश्लेषण के आधार पर अपील अपीलार्थीगण स्वीकार जाकर अधीनस्थ तहसीलदार द्वारा मौजा कपासन पटवार हल्का कपासन-ए तहसील कपासन के नामान्तरकरण संख्या 4076 निर्णय दिनांक 18.02.2022 को निरस्त किया जाकर तहसीलदार कपासन को प्रतिप्रेषित (Rimand) कर निर्देशित किया जाता है उपरांतिक विवेचन एवं विश्लेषण के आधार मृतक खातेदार उदीबाई पत्नी बोटु के विधिक वारिसान के सही-सही नाम पर नामान्तरकरण की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करावें। निर्णय की प्रति तहसीलदार कपासन को सूचनार्थ भिजवाई जावें। पत्रावली की गणना निर्णित इन्द्राज की जाकर बाद आवश्यक कार्यवाही के अभिलेखागार भिजवाई जावे।

यह निर्णय खुले न्यायालय में आज दिनांक 15.01.2026 को लिखाया जाकर सुनाया गया।



(प्रभा गौतम)
अतिरिक्त कलक्टर,
(प्रशासन) चित्तौड़गढ़